

**Pak. Nationals' Visit to India and Vice Versa**

2128. { Shri Ulaka:  
Shri Dhuleshwar Meena:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) the number of Pakistani nationals who visited India during the last six months; and

(b) the number of Indians who visited Pakistan during the same period?

**The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru):** (a) and (b). The information is being collected and as soon as it becomes available, it will be placed on the Table of the House.

**आकाशवाणी में हिन्दी शब्दकोषों का प्रयोग**

२१३०. { श्री म० ला० द्विवेदी :  
श्रीमती सावित्री निगम :  
श्री स० चं० सामन्त :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी में हिन्दी कार्यों के लिये किम शब्दकोष या शब्दकोषों का प्रयोग किया जाता है ; और

(ख) आकाशवाणी का जो अपना शब्दकोष है उसे किसने निमित्त किया था और उसमें १९६२-६३ में क्या क्या संशोधन किये गये हैं ?

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री शाम नाथ) (क) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्याएल. टी.—११८५।६३]

(ख) शब्दकोष आकाशवाणी के स्टाफ द्वारा तैयार किया गया था और सूचना और प्रसारण मन्त्रालय की केन्द्रीय हिन्दी सलाहकार

समिति को एक उप-समिति द्वारा, जिस के सदस्य (१) डा० हरिवंश राय वचनन, (२) श्री चन्द्र गुप्त विद्यालंकार, (३) श्री मन्मथनाथ गुप्त, (४) श्री अशोकजी श्रीर (५) श्री रामचन्द्र टंडन (संयोजक) थे, इसको अन्तिम रूप दिया गया था। १९६२-६३ में इस शब्दकोष में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

**प्रतिरक्षा संस्थापनों के लिये साप्ताहिक पत्र**

२१३१. { श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या प्रतिरक्षा मंत्रा यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सेना में जो दैनिक व साप्ताहिक पत्र अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू के भेजे जाते हैं क्या उनके संबंध में कोई नति निर्धारित की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कुछ ऐसे अंग्रेजी साप्ताहिक भी सेना में बड़ी संख्या में जाते हैं जो सरकारी नति के विरोधी होने के साथ साथ सैनिकों में पृथकतावादी प्रवृत्तियों को जन्म देने हैं ; और

(ग) क्या सरकार इस संबंध में कोई कार्यवाही करने का विचार कर रही है ?

प्रतिरक्षा मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री डा० रा० खन्ना) : (क) सैनिकों के पढ़ने के लिये उपयुक्त समझे गये पत्र पत्रिकाओं की सूची समय समय पर ब्रिटि कमांडरों में उनकी शहायता के लिये परिचालित की जाती है। यह सूचियां निदर्शनात्मिक होती हैं। पत्रिकायें ब्रिटिों द्वारा सीधे खरीदी जाती हैं।

(ख) जो नहीं।

पत्र नहीं उठता।